# समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास फरवरी, 2022

## कक्षा 6-8

## विषय - हिन्दी

## यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

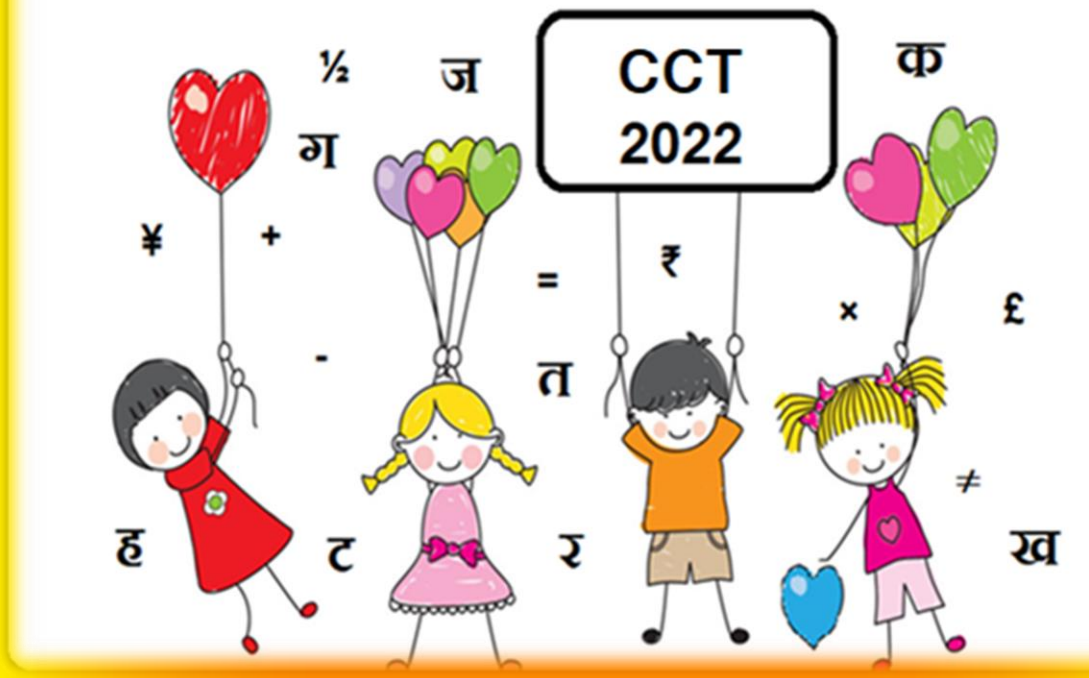


संकलित – राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना ,चंडीगढ़

**प्रस्तावना :**

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

**समन्वयक :**

प्राचार्या श्रीमती रेणु गुप्ता, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहलाना, चंडीगढ़।

**निर्माण समिति :**

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़।
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़।
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़।
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़।
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़।
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़।
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़।
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़।
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़।
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़।
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़।
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़।

**दिशा निर्देश :**

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

**दक्षताएँ :**

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

**विभिन्न आयाम:**

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

| Reading Literacy ( Hindi) | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | कक्षा 6-8 | | | |
| Serial number प्रतिमान संख्या | Name of the module प्रतिमान का नाम | Taxonomy | Source | Page number |
| 1 | मुक्ति की आकांशा | Understand/Reflect | पाठ्य पुस्तक | 4 |
| 2 | हिमनद | Understand/Reflect | पाठ्य पुस्तक | 8 |

**प्रतिमान-1**

| | |
|---|---|
| पाठ्य पुस्तक :- वसंत-2 | कक्षा 7 |
| प्रकार- कविता | पाठ का नाम :- हम पंछी उन्मुक गगन के |
| सीखने के प्रतिफल:<br>704. पढ़ी गई सामांग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।<br>713. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे- वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि। | |

**उपविषय- मुक्ति की आकांशा**

चिड़िया को लाख समझाओ

कि पिंजड़े के बाहर

धरती बहुत बड़ी है, निर्मम है,

वहाँ हवा में उसे

अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी

यूँ तो बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है,

पर पानी के लिए भटकना है

यहाँ कटोरी में भरा जल गटकना है

बाहर दाने का टोटा है,

यहाँ चुग्गा मोटा है

बाहर बहेलिए का डर है,

निद्वंवद्व कंठ-स्वर है।

फिर भी चिड़िया

मुक्ति का गाना गाएगी,

मारे जाने की आशंका से

भरे होने पर भी,

पिंजरे से जितना अंग निकल सकेगा,

निकालेगी

हरसूँ ज़ोर लगाएगी

और पिंजरा टूट जाने या खुल

जाने पर उड़ जाएगी।

1. कवि चिड़िया को पिंजरे में रहने के लिए क्या तर्क देता है?

क) धरती बड़ी निर्मम है।

ख) दाना-पानी के लिए भटकना पड़ेगा।

ग) बहेलिये का डर ।

घ) उपर्युक्त सभी

2. चिड़िया सब कुछ जानने के बाद भी क्या करना चाहती है?

क) पानी पीना

ख) पिंजरे से बाहर निकलना

ग) मुक्ति का गाना गाना

घ) ख और ग दोनों

3. सभी सुविधाएँ होने पर भी चिड़िया पिंजरे में रहना क्यों नहीं चाहती?

4. 'जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी' का अर्थ है:-

क) चिड़िया को पिंजरे में बंद कर दिया जाएगा।

ख) चिड़िया को मार दिया जाएगा।

ग) चिड़िया को स्वतंत्र कर दिया जाएगा।

घ) इनमें से कोई नहीं

5. शब्द को उसके सही पर्यायवाची से मिलाइए: -

हवा - सरिता, तटनी

धरती - गला, ग्रीवा

जिस्म - रत्नाकर, सागर

समुद्र- वायु, पवन

नदी - जमीन, पृथ्वी

कंठ - शरीर, तन

अध्यापक के लिए

| क्रम संख्या | दक्षता | प्रकार | संज्ञानात्मक स्तर |
|---|---|---|---|
| 1. | सूचना की पुनःप्राप्ति | बहुविकल्पीय | औसत |
| 2. | सूचना की पुनःप्राप्ति | बहुविकल्पीय | औसत |
| 3. | प्रतिबम्बित/मूल्यांकित | सार्वभौमिक | कठिन |
| 4. | सूचना की पुनःप्राप्ति | बहुविकल्पीय | औसत |
| 5. | व्यापक समझ | बहुविकल्पीय | औसत |

उत्तरमाला

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Full Credit | घ) उपर्युक्त सभी |
| | No Credit | अन्य विकल्प |
| 2. | Full Credit | घ) ख और ग दोनों |
| | No Credit | अन्य विकल्प |
| 3. | Full Credit | क्योंकि वह स्वतंत्र रहकर अपनी इच्छा से कार्य करना चाहती हैं। उसे बंधन स्वीकार नहीं। विद्यार्थियों द्वारा दिया गया तर्कसंगत उत्तर मान्य |

| | | |
|---|---|---|
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर |
| 4. | Full Credit | ख) चिड़िया को मार दिया जाएगा। |
| | No Credit | अन्य विकल्प |
| 5. | Full Credit | हवा वायु, पानी<br>जिस्म शरीर, तन<br>समुद्र रत्नाकर, सागर<br>नदी सरिता, तटनी<br>कंठ गला, ग्रीवा<br>धरती जमीन, पृथ्वी |
| | Partial Credit | कोई तीन सही |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर |

**प्रतिमान-2**

| | |
|---|---|
| स्रोत - इंटरनेट | कक्षा: 8 |
| प्रकार- निबंध | पाठ का नाम- पानी की कहानी |
| सीखने के प्रतिफल:<br><br>802. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे कहानी, कविता, लेख, रिपोर्ताज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच करते हुए उसका अनुमान लगाकर विश्लेषण करते हैं विशेष बिंदु को खोजते हैं।<br><br>803. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं/ चर्चा करते हैं।<br><br>824. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित/ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। | |

उपविषय: हिमनद

# भारत के हिमनद या ग्लेशियर

पृथ्वी की सतह पर विशाल आकार की गतिशील बर्फ राशि को हिमानी कहते हैं। इसे हिंदी में हिमनद और अंग्रेजी में ग्लेशियर कहते हैं। इसरो के अनुसार हिमालय के 75% हिमनद पिघल रहे हैं 8% विस्तार हो रहा है तथा 17% में कोई परिवर्तन नहीं हो रहा है भारत के प्रमुख हिमनद इस प्रकार हैं-

(1) सियाचिन ग्लेशियर

सियाचिन ग्लेशियर हिमालय की पूर्वी काराकोरम पर्वतमाला में स्थित है, इसकी लंबाई 72 किमी तथा चौड़ाई 2 से 8 किमी है। यह समुद्र तल से 570 मीटर ऊँचा है यहाँ का तापमान 50°C रहता है।
सियाचिन ग्लेशियर से नुब्रा नदी का उद्गम होता है तथा नुब्रा नदी के आसपास का क्षेत्र नुब्रा घाटी क्षेत्र कहलाता है। यह ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर विश्व का दूसरा सबसे लंबा अल्पाइन हिमनद है। यह हिमालय काराकोरम क्षेत्र का सबसे बड़ा हिमनद है। यह भारत का सबसे लंबा ग्लेशियर है
सियाचिन ग्लेशियर पर 1984 से भारत का नियंत्रण रहा है और भारत इसे अपने लद्दाख़ राज्य लेह जिले के अधीन प्रशासित करता है।

(2) गंगोत्री हिमनद (Gangotri Himnad)

गंगोत्री हिमनद के गोमुख नामक स्थान से से गंगा नदी का उद्गम होता है, जो भारत के उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित है इसकी लंबाई 25 किमी है। यह उत्तराखंड का सबसे बड़ा हिमनद है इससे अंतर्गत रतनवन, चतुरंगी, स्वच्छंद, कैलाश तथा मान हिमनद आते हैं

(3) यमुनोत्री हिमनद (Yamunotri Glacier) -

यमुनोत्री हिमनद बंदरपूछ चोटी के पश्चिम भाग में स्थित है। यमुनोत्री चार धाम यात्रा का पहला पड़ाव है यह गढ़वाल हिमालय के पश्चिम दिशा में उत्तरकाशी जिले में स्थित है।

(4) मिलाम ग्लेशियर (Milam Glacier)

मिलाम ग्लेशियर हिमालय पर्वत श्रृंखला में पिथौरागढ़ जिले स्थित है, जिसकी ऊंचाई 3870 मीटर से लेकर 5500 मीटर तक है। यह ग्लेशियर कुमाऊं क्षेत्र का सबसे बड़ा ग्लेशियर है और यहां से गोरीगंगा नदी का उद्गम होता है, जोकि काली नदी की सहायक नदी है।
इस हिमनद से मिलाम नदी का भी उद्गम होता है इस हिमनद पर जाने के लिए पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य है।
(5) जेमू हिमनद (Jemu Glacier)
जेमू हिमनद पूर्वी हिमालय का सबसे बड़ा हिमनद है जिसकी लंबाई लगभग 26 किमी है यहां सिक्किम के हिमालय क्षेत्र में कंचनजंगा के आधार पर स्थित है!
(6) चौराबाड़ी हिमनद (Chorabadi himnad) -

चौराबाड़ी हिमनद उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ मंदिर से 6 किमी उत्तर दिशा में स्थित है, जिसकी लंबाई 14 किमी है। इस हिमनद से मंदाकिनी नदी का उद्गम होता है। इस ग्लेशियर के पिघलने से एक झील का निर्माण हो गया है, जिसे गांधी सरोवर कहा जाता है

(7) सतोपंथ हिमनद (Santopanth Himnad) -

सतोपंथ का शाब्दिक अर्थ है- सत्य का मार्ग। यह ग्लेशियर उत्तराखंड के प्रसिद्ध ग्लेशियरों में से एक है। सतोपंथ हिमनद की लंबाई 13 किमी है तथा यह चमोली जिले में स्थित है। सतोपंथ हिमनद से अलकनंदा नदी का उद्गम होता है। इससे ग्लेशियर का आकार धीरे धीरे कम होता जा रहा है!

(8) कंचनजंगा हिमनद (Kanchenjunga Himnad) -

कंचनजंगा विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8586 मीटर है कंचनजंगा सिक्किम के उत्तर पश्चिम भाग में नेपाल की सीमा पर स्थित है यह चार हिमनद जेमू, तालूंग, यालूग, कंचनजंगा आदि से मिलकर बना है।

## प्रश्न

प्रश्न1 :- हिमालय का सबसे लंबा ग्लेशियर कौन सा है?

प्रश्न2 :- गोमुख नामक स्थान स्थित है?

i) सिक्किम के उत्तर पश्चिम भाग में नेपाल की सीमा पर
ii) उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में
iii) उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में
iv उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में

प्रश्न3 :- कौन सा कथन गलत है?

i) चौराबाड़ी हिमनद से मंदाकिनी नदी का उद्गम होता है।
ii) सतोपंथ हिमनद से अलकनंदा नदी का उद्गम होता है।
iii) सियाचिन ग्लेशियर पर 1984 से भारत का नियंत्रण रहा है।
iv कंचनजंगा सिक्किम के उत्तर पूर्व भाग में नेपाल की सीमा पर स्थित है।

प्रश्न4 :- ग्लेशियरों के पिघलने से बनी झीलों से आपदा का खतरा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है जिसका प्रमुख कारण ग्लोबल वार्मिंग है? इससे निपटने के लिए हम क्या योगदान दे सकते हैं?

प्रश्न5 :- इसरो के अनुसार हिमनद के कितने अंश पिघल रहे हैं?

# अध्यापक के लिए

| क्रम संख्या | दक्षता | प्रकार | संज्ञानात्मक स्तर |
|---|---|---|---|
| 1. | सूचना की पुनःप्राप्ति | तथ्यात्मक | सरल |
| 2. | व्यापक समझ | बहुविकल्पीय | औसत |
| 3. | सूचना की पुनःप्राप्ति | बहुविकल्पीय | औसत |
| 4. | व्यापक समझ | तार्किक | औसत |
| 5. | विश्लेष्ण | तार्किक | औसत |

# उत्तरमाला

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Full Credit | सियाचिन ग्लेशियर भारत का सबसे लंबा ग्लेशियर है |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर |
| 2. | Full Credit | iii) उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले में |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर |
| 3. | Full Credit | iv कंचनजंगा सिक्किम के उत्तर पूर्व भाग में नेपाल की सीमा पर स्थित है |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर |
| 4. | Full Credit | 1.सभी लोगों को पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करना होगा जिससे हानिकारक गैसों की मात्रा को कम किया जा सके।<br>2. अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा और पेड़ों को कटने से बचाना होगा।<br>3. दुनिया भर में सरकारी एजेंसियों, एनजीओ(NGO) इत्यादि के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाए। |
| | Partial Credit | विद्यार्थी द्वारा दिया कोई भी एक उचित उत्तर मान्य |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर |
| 5. | Full Credit | 75% |
| | No Credit | असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर |